मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE–142

बी. ए. (सामान्य)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.ई.–142 : रंगमंच और नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 15 = 60$

1. रंगमंच के बारे में आपने क्या पढ़ा ? विस्तार से उल्लेख कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. ज्येष्ठ और मध्यम नाट्यमण्डप का वर्णन कीजिए।

3. नाट्यमण्डप निर्माण विधि क्या है ? विस्तार से लिखिए।

4. षड्दारुक रंगशीर्ष क्या है ? इसके निर्माण की स्थितियों को स्पष्ट कीजिए।

5. ग्रीक परम्परा की नाट्यविधि क्या है ? वर्णन कीजिए।

6. विभिन्न आचार्यों के अनुसार नाट्य की परिभाषाओं का समीक्षात्मक वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

7. नाट्यभेदों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

8. अभिनय से आप क्या समझते हैं ? पठित अंश के आधार पर अभिनय का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड—ब

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. कथावस्तु से क्या अभिप्राय है ? इसके भेदों का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. नाटक में अर्थप्रकृतियों का क्या महत्व है ? वर्णन कीजिए।

3. कार्य की अवस्थाओं का लक्षण सहित वर्णन कीजिए।

4. नाट्यसन्धियों के बारे में आप क्या जानते हैं ? वर्णन कीजिए।

5. नाट्यसंवाद के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

6. नायक भेदों का निरूपण कीजिए।

7. नायिका को परिभाषित कीजिए तथा इसके भेदों का भी उल्लेख कीजिए।

8. रस की परिभाषा बताते हुए उसके स्वरूप एवं प्रकारों का वर्णन कीजिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com